IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, September 2024

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन और कार्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अनिल कुमार दुबे[1] and डॉ. ज्योति रानी झा [2]

शोधार्थी, विभाग हिंदी[1]

सह - प्राध्यापक, विभाग हिंदी[2]

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रख्यात विचारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका योगदान भारतीय समाज और राजनीति में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उनका जीवन सरलता, निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रवाद के सिद्धांतों पर आधारित था। उन्होंने एकात्म मानववाद का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक समग्र सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से जुड़े और भारतीय जनसंघ के प्रमुख विचारकों में से एक बने। उनकी विचारधारा समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान पर केंद्रित थी, जिसे वे "अंत्योदय" कहते थे। उन्होंने स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अपनी नीतियों का आधार बनाया। उनके नेतृत्व और विचारों का भारतीय राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा और आज भी उनकी नीतियां और दर्शन विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। उनका अकाल निधन एक अपूरणीय क्षति थी, किंतु उनके विचार आज भी भारत की नीति और समाज व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

मुख्य शब्द : आर्थिक दर्शन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, शिक्षण और पत्रकारिता।